

रक्षाबंधन से पहले सीएम यादव का बड़ा तोहफा

● प्रदेश की लाइली बहनों के खाते में डाल दी 39वीं किस्त ● मां शारदा के दर्शन किए, मां शारदा लोक का भूमिपूजन भी किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मैहर पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। हेलीपैड पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री कार से सीधे विश्व प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां शारदा के दर्शन कर विधिविधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री कार से मैहर के अल्लाउद्दीन खां स्टेडियम पहुंचे, जहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाइली बहनों के बैंक खातों में लाइली बहना योजना की



39वीं किस्त सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की।

मुख्यमंत्री ने एक साथ 2,148.30 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थी महिलाओं के खातों में भेजी। राशि अंतरण के दौरान कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लाइली बहनों में

उत्साह नजर आया। राशि अंतरण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में मौजूद लाइली बहनों को संबोधित किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया।

मां शारदा लोक फेज-1 का भूमिपूजन

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर में बनने वाले मां शारदा लोक फेज-1 का वरुअली भूमिपूजन भी किया। करीब 8.95 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना को मैहर के धार्मिक और पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मां शारदा मंदिर मैहर की धार्मिक पहचान देशभर में है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मां शारदा लोक के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और मैहर के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की उम्मीद है।

सुरक्षा के रहे पुरख्ता इंतजाम

मुख्यमंत्री के मैहर आगमन को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की थी। हेलीपैड से लेकर मां शारदा मंदिर और अल्लाउद्दीन खां स्टेडियम तक सुरक्षा बल तैनात रहे। शहर में भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। मुख्यमंत्री का मैहर दौरा धार्मिक दर्शन के साथ राज्य स्तरीय जनकल्याणकारी कार्यक्रम के लिहाज से भी महत्वपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री ने मां शारदा के दर्शन किए, लाइली बहनों के खातों में 2,148.30 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की और मां शारदा लोक फेज-1 के निर्माण कार्य का वरुअली भूमिपूजन किया।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

● सुप्रीम कोर्ट का आदेश, कहा-असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना

● कोर्ट ने कहा-उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने

कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस



आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द किया था

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती है। वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगाती है।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा-पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय रखी जाती है

नीट परीक्षा सिस्टम फुलप्रूफ इसमें सेंध लगाना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में



पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट

ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है।

इंदौर में 100 करोड़ का बस टर्मिनल, बसें नहीं चलीं तो लग गई भंडारे की पंगत!

● दो साल से तैयार आईएसबीटी में नहीं शुरू हुआ संचालन, यात्रियों की सीटों पर श्रद्धालुओं को परोसी गई पूड़ी-सब्जी; आईडीए बोला—आयोजन की अनुमति नहीं ली गई इंदौर। शहर में विकास कार्यों का अजब हाल है। अभी 40 करोड़ की स्मार्ट सिटी सड़क पानी की पाइपलाइन की टेस्टिंग में धंसने का मामला सामने आया था, अब 100 करोड़ रुपए की लागत से बने इंटरस्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) में बसों की जगह धार्मिक भंडारा आयोजित होने का मामला सामने आया है। एमआर-10 पर बना यह बस टर्मिनल करीब दो साल से तैयार है, लेकिन अब तक इसका नियमित संचालन शुरू नहीं हो पाया है। दावा किया गया था कि यहां एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं होंगी और प्रतिदिन करीब 1500 बसों का संचालन किया जाएगा। सावन मास के अवसर पर आईएसबीटी परिसर में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। परिसर में पूड़ियां तली गईं और यात्रियों के बैठने के लिए बनाई गई सीटों पर श्रद्धालुओं की पंगत लगाकर

पूड़ी-सब्जी परोसी गई। आयोजन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासी सुभाष चौधरी द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया था। इसमें शहर कांग्रेस के पदाधिकारी और पार्षद भी शामिल हुए। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इतने बड़े आयोजन की आईडीए के जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी तक नहीं थी। अधिकारियों का कहना



है कि आयोजन के लिए आईडीए से कोई अनुमति नहीं ली गई थी और मामले की जांच कराई जाएगी। सवाल यह है कि करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए बस टर्मिनल का संचालन कब शुरू होगा और कब यहां बसें यात्रियों को सुविधा देंगी? फिलहाल तो करोड़ों का टर्मिनल बसों के इंतजार में है और उसकी सीटों पर भंडारे की पंगत जरूर लग रही है।

● ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले-पहले नोटिस देंगे, 3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य सरकार 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्षा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू करने वाली है, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' नहीं है। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने



पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे।

परिवहन की फ्लाईंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

वर्किंग नॉलेज का मतलब साफ नहीं, ड्राइवरों में चिंता

सेवा सारथी ऑटो-रिक्षा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है, लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी। उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर ग्रुप में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

करीब 6 लाख ड्राइवरों को मराठी सिखाने की योजना

सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्षा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या में ड्राइवरों को मराठी सीखने की जरूरत है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

कार्यक्रम तिरंगा के साथ सेल्फी



राजा शंकर शाह कुमार रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय मेंहदवानी में कार्यालय उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन वर्तमान प्राचार्य श्री कन्हैया लाल हिवारे एवं पूर्व प्राचार्य डॉक्टर लेखराम कुर्मी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती पिकी श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया जिसमें तिरंगा रंगोली तिरंगा प्रश्नोत्तरी डॉ नितिनका रघुवंशी द्वारा तिरंगा संगीत कार्यक्रम तिरंगा के साथ सेल्फी अपलोड करना डॉ संध्या सिंह द्वारा डॉ रुचिका वर्मा द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया 13 अगस्त को तिरंगा रैली ncc nss के माध्यम से आयोजन किया गया जिसमें डॉ अलका अवस्थी डॉ रुचिका वर्मा डॉ शशिकांत चंदेला श्री बुधराम कोल डॉ रश्मि वर्मा डॉ प्रदीप सोनी एवं श्रीमती सुलोचना परस्ते एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

विजयराघवगढ़ शारदा माता मंदिर में चोरी का खुलासा दंपति को किया गिरफ्तार

नवल किशोर

कटनी। विजयराघवगढ़ स्थित प्रसिद्ध शारदा माता मंदिर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए विजयराघवगढ़ पुलिस ने एक दंपति को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषणों समेत करीब 12 लाख रुपये का माल और वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार जब्त की गई है। इस गिरोह के पकड़े जाने से कटनी, सतना, सिवनी और दमोह जिलों की करीब एक दर्जन मंदिर व सूने मकानों में चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई की। 19 अगस्त की सुबह पुलिस टीम ने ग्राम पड़खुरी के पास घेराबंदी कर मैहर की ओर जा रही संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रोका। कार में सवार राजा उर्फ मोहन साहू (42) और उसकी पत्नी राजनंदनी साहू (40) (निवासी प्रेमनगर तिलक कॉलेज, थाना एनकेजे, कटनी) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चोरी का माल बेचने जाने की बात स्वीकार की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपने बाल अपचारी पुत्र और साथी आदी बर्मन (निवासी परसवारा, वर्तमान में सिवनी जेल में बंद) के साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपी कार से सफर करते थे। दो सदस्य



ताला तोड़कर अंदर घुसते थे और दो बाहर निगरानी रखते थे। आरोपियों ने विजयराघवगढ़ शारदा मंदिर के अलावा माधवनगर, बरही, बिलहरी, उचेहरा (सतना), एनकेजे, सिवनी और दमोह के विभिन्न मंदिरों व सूने मकानों में चोरी करना स्वीकार किया है। जब्त सामग्री: 4 चांदी के मुकुट, 2 चांदी के छत्र, चांदी का कमरबंद, पायल, बिछिया, सोने का लॉकेट और स्विफ्ट

डिजायर कार (कुल कीमत लगभग 12 लाख रुपये)। मुख्य आरोपी राजा उर्फ मोहन साहू के खिलाफ विभिन्न थानों में 36 मामले, राजनंदनी साहू के खिलाफ 9 मामले और आदी बर्मन के खिलाफ 9 अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने गिरफ्तार दंपति को न्यायालय में पेश किया है। मामले में फरार बाल अपचारी की तलाश जारी है तथा सिवनी जेल में बंद आदी बर्मन को प्रोडक्शन वारंट पर लाने की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विपरीत परिस्थितियों में भी सुगम जल निकासी में जुटा निगम का स्वास्थ्य अमला

निरंतर बारिश के बीच जलजमाव की शिकायतों का तत्परता से किया निराकरण

नवल किशोर

कटनी। विगत रात्रि से लगातार हो रही बारिश के बीच नगर में सुगम जल निकासी व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों को जलजमाव से राहत दिलाने नगर निगम का स्वास्थ्य अमला विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी तत्परता के साथ मैदानी स्तर पर सक्रिय रहा। निगम प्रशासन द्वारा नियमित सफाई व्यवस्था के साथ ही बारिश के कारण उत्पन्न जलजमाव की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित क्षेत्रों में तत्काल टीमों भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराई गई।

बारिश के दौरान कुछ क्षेत्रों से जलजमाव की सूचनाएं प्राप्त होते ही निगम के स्वास्थ्य अमले को सक्रिय किया गया। टीमों ने चिन्हित स्थलों पर पहुंचकर नालियों एवं जल निकासी मार्गों का निरीक्षण किया तथा आवश्यकतानुसार मशीनरी एवं स्वच्छता अमले की सहायता से वर्षाजल की निकासी सुनिश्चित कराई। निगम की तत्पर कार्रवाई से जलजमाव वाले क्षेत्रों में स्थिति को नियंत्रित करने तथा नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाए रखने के प्रयास किए गए।

जलजमाव वाले स्थलों पर प्राथमिकता से सफाई- स्वास्थ्य अमले द्वारा बुधवार प्रातः वार्ड



क्रमांक 1 की गली नंबर 1, 2, 3, 5 एवं 6 की नालियों सहित वार्ड क्रमांक 2 स्थित डॉ. नेमा गली, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड मुख्य मार्ग, बजाज हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 16 के एनसीसी कार्यालय मार्ग, सागर पुलिया, बंधवा टोला, मानसरोवर कॉलोनी, राष्ट्रीय स्कूल के सामने स्थित नाला, बारडोली कॉलेज के पास, भट्टा मोहल्ला एवं मंगलनगर सहित माधवनगर

के विभिन्न क्षेत्रों के नाले-नालियों की प्राथमिकता से सफाई कराई गई। जल निकासी में आ रही बाधाओं को दूर कर वर्षाजल की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई।

बारिश के बीच व्यवस्था की सतत निगरानी-

लगातार बारिश के बावजूद निगम का स्वास्थ्य अमला नियमित सफाई व्यवस्था के साथ वर्षाजल निकासी की व्यवस्थाओं की सतत निगरानी में जुटा रहा। निचले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों तथा जलजमाव की संभावित स्थिति वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित टीमों को मौके पर भेजकर समस्या का त्वरित निराकरण कराया गया।

मैदानी अमला सक्रिय

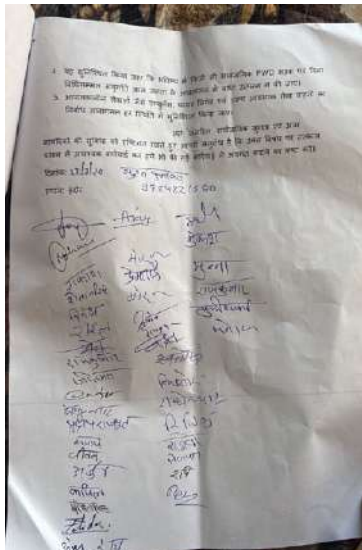
नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुविधा, स्वच्छता, सुगम जल निकासी एवं सुरक्षित आवागमन को प्राथमिकता देते हुए मैदानी अमले को लगातार सक्रिय रखा गया है। बारिश के दौरान जलजमाव की स्थिति पर नजर रखते हुए आवश्यकतानुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

इंदौर में PWD सड़कों पर अवैध हाईट बैरियर लगाकर जनता का रास्ता रोका, एम्बुलेंस-फायर ब्रिगेड अटकी; तुरंत कार्रवाई की उठी मांग!

दीपक वाड़ेकर

इंदौर। शहर के मांगलिया-सुल्लाखेड़ी रोड और महादेव सहारा रोड पर अवैध रूप से लगाए गए हाईट बैरियर (चैनल) के खिलाफ स्थानीय नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा है। बिना किसी वैध अनुमति के डाले गए इन बैरियरों के कारण जनता का आवागमन ठप हो गया है और गंभीर आपातकालीन सेवाओं के रास्ते में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों ने जिला कलेक्टर को शिकायत सौंपकर तत्काल बुलडोजर कार्रवाई और दोषियों पर शिकंजा कसने की मांग की है।

अवैध बैरियरों से जनता त्रस्त, तत्काल एक्शन की मांग: एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की अटकी सांख्यिकी: शिकायत में यह बेहद गंभीर चेतावनी दी गई है कि इन बैरियरों के कारण एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन वाहन मौके पर समय पर नहीं पहुँच पा रहे हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा जन-धन का नुकसान हो सकता है। टोल बचाने का खेल या अवैध वसूली: स्थानीय लोगों ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि टोल संचालन व्यवस्था या किसी साजिश के तहत इन PWD सड़कों पर जानबूझकर हाईट बैरियर डाले गए हैं, ताकि वाहन चालकों को मजबूरन लंबे रास्तों से घूमकर गुजरना पड़े।



समय और धन की बर्बादी: इन अवैध अवरोधों के कारण रोजाना हजारों किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को भारी मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन को अल्टीमेटम: सूरज कुमावत सहित सैकड़ों आक्रोशित नागरिकों ने प्रशासन को चेताया है कि यदि इन 3 मीटर ऊंचे बैरियरों को तुरंत हटाकर रास्ता बहाल नहीं किया गया, तो जनता बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। अब देखना यह होगा कि कलेक्टर और पुलिस प्रशासन इस मनमाने रवैये पर कब तक सख्त एक्शन लेते हैं और अवैध बैरियर लगवाने वालों पर क्या गाज गिरती है?

प्रदर्शन के बाद हरकत में आया होलकर महाविद्यालय प्रशासन, विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की होलकर विज्ञान महाविद्यालय इकाई द्वारा विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। विद्यार्थियों की प्रमुख समस्याओं में ATKT विद्यार्थियों को 5वें सेमेस्टर में प्रमोशन, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था और नवप्रवेशी विद्यार्थियों की नियमित कक्षाओं का संचालन शामिल था। प्रदर्शन के बाद महाविद्यालय प्रशासन ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और विद्यार्थी हित में महाविद्यालय प्रशासन उनके साथ खड़ा है।

ATKT विद्यार्थियों को 5वें सेमेस्टर में प्रमोशन के मामले में प्राचार्य ने बताया कि इस संबंध में शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग को पत्र भेजा जा चुका है। आवश्यक संशोधन करवाकर विद्यार्थियों के हित में उचित समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा महाविद्यालय में स्वच्छ पेयजल, पानी की टंकियों की नियमित सफाई तथा नवप्रवेशी विद्यार्थियों की कक्षाएं समय-सारणी के अनुसार नियमित रूप से संचालित करने को



लेकर भी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। अभाविप होलकर महाविद्यालय अध्यक्ष शुभम पाटीदार ने कहा कि विद्यार्थी परिषद लगातार विद्यार्थियों की

समस्याओं को मजबूती से उठाती रही है। विद्यार्थियों की समस्याओं का स्थायी समाधान होने तक परिषद का संघर्ष और प्रयास जारी रहेगा।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम कटनी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नवल किशोर

कटनी:-तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के अध्यक्ष अवधेश दाहिया जानकारी दी की प्रान्तीय अध्यक्ष के आव्हान पर राजधानी भोपाल सहित प्रदेश में सभी जिला मुख्यालयों में अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर आशीष कुमार तिवारी माध्यम से अधिकारी/कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के द्वारा ज्ञापन प्रस्तुत किया गया जिसमें कर्मचारियों की प्रमुखता मांगों पर ध्यान आकर्षण किया गया जिसमें :-

1. अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की तरह प्रदेश में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महंगाई का सामना करने के लिए 2% महंगाई भत्ता/महंगाई राहत 1 जनवरी 2026 से प्रदान करने के आदेश शीघ्र किए जाएं।



2. नव नियुक्त कर्मचारियों की नियुक्ति के 3 वर्ष तक 70%, 80%, 90% का बंधन हटाया जाए। 3 वर्ष में कर्मचारियों को लाखों रुपए का नुकसान होता है। माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा भी 12 दिसंबर 2019 के इस आदेश को निरस्त कर दिया गया है।

3. अनुकंपा नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति में सीपीसीटी (CPCT) की बाध्यता समाप्त की जाए। सीपीसीटी के कारण कई कर्मचारियों की सेवा समाप्त होने से

परिवारों पर संकट मंडरा रहा है।

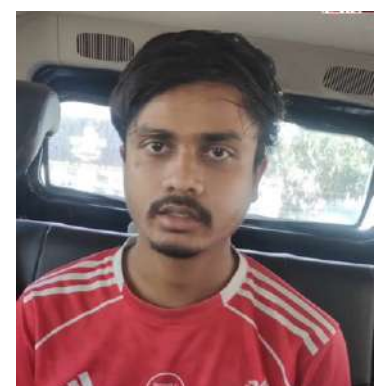
4. कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना के आदेश शीघ्र जारी किए जाएं ताकि कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर उचित लाभ मिल सके।

5. ई-अटेंडेंस (E-Attendance) प्रणाली को पूर्णतः समाप्त किया जाए। ज्ञापन में सरमन तिवारी, राकेश दुबे, एन पी दुबे, सुनील मिश्रा, गणेश आरख, दीप्ति सिंह, सपना गुप्ता, संजू महतो, अलका दाहिया, नम्रता चौबे, पंकज दीपकर, प्रिया गुप्ता, विनोद भसीन, पारस नामदेव, आदिल खान, डॉक्टर बलराम दाहिया, मनीष त्रिपाठी, अश्वनी पांडे, आयुष तिवारी, ओम दुबे, वर्षा जैन, सीमा सिंह, आशा कोरी, सरिता कुशवाहा, राजबर्मन, दीपक सोनी, प्रीति श्रीवास्तव, शरद सोनी सहित भारी संख्या में कर्मचारी शामिल रहे।

इंदौर: हाईकोर्ट ने नाबालिगों से अश्लीलता के आरोपी की जमानत याचिका खारिज की

इंदौर : मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग बच्चियों से अश्लील बातचीत और आपत्तिजनक सामग्री भेजने के आरोपी युवक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों के खिलाफ ऑनलाइन अपराध समाज के लिए गंभीर खतरा है।

क्या है पूरा मामला-आरोप है कि युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से नाबालिग बच्चियों से अश्लील बातचीत करता था। साथ ही उन्हें आपत्तिजनक फोटो-वीडियो भेजकर बहलाने-फुसलाने का प्रयास कर रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद के बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ POCSO Act और IT Act की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था।



कोर्ट में हुई सुनवाई-जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से अधिवक्ता राघवेंद्र सिंह बैस ने पैरवी की। लेकिन हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि आज के समय में सोशल मीडिया के जरिए बच्चों को टारगेट करना बहुत खतरनाक प्रवृत्ति है। ऐसे मामलों में सख्ती जरूरी है।

सहजयोग, व्यक्ति से समष्टि बनने की आध्यात्मिक यात्रा

अखंमण्डलाकारं, व्याप्तं येन चराचरम् । तत्पदं दर्शितं येन, तस्मै श्री गुरुवे नमः ॥

सहजयोग एक अत्यंत सुंदर, सहज, सरल ध्यानपद्धति है, जो हमारे आध्यात्मिक, सामाजिक व शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मराठी में एक कहावत है, 'बहुत सुकृताची जोड़ी, तयी विठ्ठल आवडी' अर्थात् हमारे पूर्वजन्मों के सुकृत्यों के कारण हम परमपिता परमेश्वर की ओर, इनकी अपरंपार महिमा की ओर आकृष्ट होते हैं। प. पू. श्रीमाताजी - कहते हैं, अगर एक बार अपनी इच्छा शक्ति जागृत कर आपने आत्मसाक्षात्कार माँगा तो आपके भीतर स्थित माँ स्वरूपिणी कुंडलिनी शक्ति उर्ध्वगामी होकर आपके आत्मदीप को प्रज्वलित कर देती है। प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग केवल



आत्मसाक्षात्कार द्वारा मानवीय उत्थान की बात करता है। हमारा आत्मस्वरूप,

परमात्मा का एक अंश, 'शिवांश' है और हमारे भीतर आद्याशक्ति कुंडलिनी के रूप में है। यह शास्त्रों में वर्णित है और सहजयोग द्वारा अनुभूत है। प.पू. श्री माताजी कहते हैं एक बार जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है और नियमित ध्यान से जब आपका आत्मसाक्षात्कार पोषित और पल्लवित होता है तब एक बूंद सागर बन जाती है। आत्मा जगत के हर मानव के लिये सामूहिकता और प्रेम का स्रोत है। तब आपका चित्त उन सभी लोगों पर जाता है जो मुसीबत में हैं, जिन्हें मदद की जरूरत है। इस चित्त से। जो इतना आलोकित है, प्रबुद्ध है, आप यहीं बैठे बैठे उनकी समस्याओं का समाधान कर

सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ न युद्ध की जरूरत है, न हथियार की जरूरत है, न किसी / भौगोलिक सीमा विस्तार की जरूरत है..... यह एक विशेष समय है। जहाँ इतने सारे पुष्प हैं जो सच्चाई को खोज रहे हैं। सभी धर्मों में इसका वर्णन किया गया है। तब हम किसी से इस बात पर नफरत नहीं करते कि वह इस धर्म में विश्वास करता है या किसी अन्य धर्म में। इसके विपरीत हम सभी धर्मों में विश्वास करते हैं। ये वही शक्ति है जिसके कारण एक बूंद सागर बन जाती है। व्यक्ति समष्टि बन जाता है। प्रेम के हथियार से आप भी अपने हृदय में, परिवार और समाज में शांति स्थापित कर सकते हैं, सहजयोग के माध्यम से।

भावांतर भुगतान योजना: इंदौर के 161 किसानों के खातों में पहुँची लंबित राशि, 35 किसानों का भुगतान जल्द

सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। मुख्यमंत्री कृषक कल्याणकारी भावांतर भुगतान योजना के तहत इंदौर जिले के 161 पात्र किसानों को बड़ी राहत मिली है।

बैंक खातों में तकनीकी एवं अन्य समस्याओं के चलते तीन या उससे अधिक बार असफल हुए भुगतान का समाधान कर 18 अगस्त 2026 को

लंबित राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में सफलतापूर्वक अंतरित कर दी गई। प्रबंध संचालक के निर्देशन एवं कलेक्टर इंदौर श्री शिवम् वर्मा के नेतृत्व में विशेष पहल करते हुए किसानों के बैंक खातों से जुड़ी त्रुटियों को दूर कराया गया। कलेक्टर के निर्देश पर कृषि उपज मंडी समिति इंदौर के सचिव श्री ओ.पी. खेड़े एवं भावांतर भुगतान योजना की

जिला समिति के अधिकारियों ने भुगतान प्रक्रिया को पूरा कराया। जानकारी के अनुसार प्रथम सूची में शामिल सभी 161 किसानों के बैंक खातों की त्रुटियों का निराकरण कर लंबित भुगतान किया जा चुका है। वहीं शेष 35 किसानों को भी जल्द भुगतान किए जाने की प्रक्रिया जारी है। लंबे समय से प्रतीक्षित भुगतान मिलने पर लाभान्वित किसानों ने प्रबंध

संचालक श्री कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर इंदौर श्री शिवम् वर्मा, मंडी भारसाधक अधिकारी श्री रोशन राय, मंडी सचिव श्री ओ.पी. खेड़े सहित जिला स्तरीय समिति के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। किसानों का कहना है कि लंबित भुगतान मिलने से उन्हें आर्थिक राहत मिली है और शासन-प्रशासन द्वारा की गई त्वरित कार्यवाई सराहनीय है।

अखिल भारत हिंदू महासभा ने इंदौर महानगर में राहुल सोनी और नितेश ओझा को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया

सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। अखिल भारत हिंदू महासभा (मध्यप्रदेश) ने संगठन विस्तार के तहत इंदौर महानगर में दो महत्वपूर्ण नियुक्तियों की हैं। संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार राहुल सोनी एवं नितेश ओझा को जिला उपाध्यक्ष, इंदौर महानगर के पद पर नियुक्त किया गया है।

मध्यप्रदेश महामंत्री कन्हैयालाल रैकवार द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान को गति देने और संगठन के संविधान एवं विचारधारा के अनुरूप कार्य करने की अपेक्षा जताई गई है। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि राहुल सोनी और नितेश ओझा संगठन की गतिविधियों को इंदौर महानगर में मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। अखिल भारत हिंदू महासभा मध्यप्रदेश नेतृत्व ने दोनों नवनियुक्त जिला उपाध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे अपनी मेहनत, लगन और निष्ठा से संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए दी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की बात कही।

झाबुआ विधायक डॉ. विक्रान्त भूरिया को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा “राज्य अतिथि” का दर्जा प्रदान किया गया

सलीम हुसैन

झाबुआ विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक न्यू आदिवासी कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रान्त भूरिया के लिए गौरव का क्षण है, हिमाचल प्रदेश सरकार ने डॉ. भूरिया को उनके हिमाचल प्रवास के दौरान “राज्य अतिथि” का दर्जा प्रदान किया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया यह सम्मान झाबुआ जिले और संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। “राज्य अतिथि” का दर्जा मिलने पर डॉ. भूरिया को हिमाचल प्रदेश में



शासकीय प्रोटोकॉल, आवभगत और विशेष सुविधाएं प्राप्त होंगी। भूरिया के प्रभास के दौरान ठहरने की व्यवस्था विलीपार सर्किट हाउस में की जाएगी। डॉ. विक्रान्त भूरिया द्वारा आदिवासी समाज सामाजिक, सांस्कृतिक और जनहित के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को देखते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार ने यह सम्मान दिया है।

आदिवासी अंचल झाबुआ से प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक को

राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा है। 3 इस सम्मान की घोषणा पर झाबुआ जिले भर में खुशी की लहर है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के शंकर सिंह भूरिया निर्मल मेहता, मानसिंह मैडा, युवा कांग्रेस के नटवर डोडियार महिला कांग्रेस के गोरी कटरा हेमंत बबलू कटरा आयुष ओहारी, खुना गुणडीया, काना गुडिया, साबिर फिटवेल जितेन्द्र शाह एवं पंचायत पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं और आमजन ने डॉ. भूरिया को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

तथा साथ हीक्ष हिमाचल प्रदेश सरकार और वहां के मुख्यमंत्री का आभार करते हुए कहा कि यह सम्मान झाबुआ जिले की जनता और यहां के संस्कृति मध्य प्रदेश के गौरव का सम्मान है।

कटनी में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं निकाला छात्र अधिकार पैदल मार्च

नवल किशोर

कटनी। छात्र संघ चुनावों को हाई कोर्ट से हरी झंडी मिलते ही एनएसयूआई ने प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रों के चुनाव कराने की मांग सरकार से की है। छात्रों की विभिन्न लंबित मांगों को जैसे प्रदेश में प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराए जाएं। कटनी में PPP मॉडल के मेडिकल कॉलेज के स्थान पर शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाए। कटनी में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं लॉ कॉलेज की स्थापना की जाए। लीड तिलक कॉलेज, कटनी को ऑटोमोमस (स्वायत्त) कॉलेज का दर्जा दिया जाए जैसी मांगों को लेकर कटनी में एनएसयूआई मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे एवं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक के नेतृत्व में विशाल छात्र अधिकार पैदल मार्च निकाला गया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान बारिश भी उनका हौसला नहीं तोड़ पाई। बारिश के बीच कार्यकर्ता खुलकर विरोध दर्ज करते रहे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं कांग्रेसजनों ने गणेश चौक से कचहरी चौक तक पैदल मार्च कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। भारी बारिश के बीच बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शन में शामिल हुए। पुलिस प्रशासन द्वारा मार्च को कचहरी चौक तक पहुंचने



से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं छात्रों द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़कर ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और कई छात्रों एवं कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इसके बावजूद छात्रों का उत्साह कम नहीं हुआ और उन्होंने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया एवं धरने पर बैठ गए। जिसके उपरान्त प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नेताओं को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। एवं मुचलके पर रिहा किया। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि “छात्रों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

हम लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार एवं प्रशासन के सामने रख रहे थे, लेकिन छात्रों पर वाटर कैनन चलाकर और गिरफ्तारियां करके सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह छात्रों की जायज मांगों को सुनना नहीं चाहती। भाजपा सरकार छात्र विरोधी सरकार है हमारी सरकार से मांग है कि प्रदेश के प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव हो। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव शिदव्यांशु मिश्रा ‘अंशु’ ने कहा कि “आज का छात्र अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतर चुका है। शांतिपूर्ण पैदल मार्च को रोकना और छात्रों पर वाटर कैनन चलाना लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास है। कटनी के छात्रों के साथ कांग्रेस और युवा

कांग्रेस मजबूती से खड़ी है। कटनी को मेडिकल कॉलेज का सपना दिखा कर पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोला जा रहा है जो की पूर्णतः एक लूट केंद्र है कांग्रेस पूर्ण शासकीय मेडिकल कॉलेज की जनहित में मांग करती है। जब तक छात्रों की जायज मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, संघर्ष जारी रहेगा।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक ने कहा कि आज हजारों छात्रों ने एकजुट होकर यह संदेश दिया है कि छात्र अपने अधिकारों के लिए किसी भी दबाव के सामने झुकने वाले नहीं हैं। प्रशासन चाहे जितनी बैरिकेडिंग कर ले, छात्रों की आवाज को कैद नहीं किया जा सकता। हमारी लड़ाई पूरी तरह लोकतांत्रिक और छात्र हित में है तथा मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।” एनएसयूआई ने कहा कि छात्र अधिकारों, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और कटनी के शैक्षणिक विकास की मांग को लेकर संघर्ष आगे भी निरंतर जारी रहेगा। छात्र हितों में लीड तिलक कॉलेज को हम ऑटोमोमस बनाके रहेंगे। साथ ही कटनी को शासकीय लॉ कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की जाये। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल ने कहा कि “छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर

पुलिस कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्रों की मांगें किसी राजनीतिक स्वार्थ की नहीं, बल्कि कटनी के युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की मांग हैं। हम छात्रों की इस लड़ाई में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, बसंत सिंह पूर्व विधायक, राजेश चौबे विधानसभा प्रभारी मुड़वारा, मौसुफ अहमद बिट्टू, मुकेश यादव, कमल पांडेय, अभिषेक प्यासी नानु, शशांक गुप्ता गोलू, मनोज गुप्ता, सचिन गर्ग, शुभम् मिश्रा, सूर्यकांत कुशवहा, सुरेंद्र राणा, चोखे भाईजान, अजय जैसवानी, हाजी मुन्ना कादिर, मंगल सिंह, आदित्य कटारे, जालिम यादव, रानु कूदरहा, रमेश अहिरवार, श्याम यादव, राहुल पटरिया, प्रज्वल साहु, विष्णु पटेल, सत्यम द्विवेदी, सौरभ पांडे, प्रशांत सिन्हा, राहुल यादव, शुभम रजक, मीनाक्षी बलवी, हेमा शर्मा, नीरा सोनी, मनीषा सिंह, रुक्मणी पांडे, प्रिंस वंशकार, अवध लालयादव, राजन साहू, दीपक यादव, करण चौधरी, राजीव पटेल, हरीश यादव, विकास यादव, वैभव सिंह, अमन तिवारी, दुर्गेश सिंह, अनूप सिंह, अहमद सिद्दीकी, श्रद्धा विश्वकर्मा, तान्या दुबे, धनश्री अग्रवाल, राधा पटेल, आशिका शर्मा, अमित पटेल आदि उपस्थित रहे।

निगम की टीम ने महिला समूहों के साथ किया जनसंवाद, सफाई मित्रों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नवल किशोर

कटनी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की तैयारियों के तहत नगर पालिक निगम कटनी द्वारा स्वच्छता के प्रति नागरिकों एवं सफाई मित्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में निगम की सहयोगी संस्था की आई ई सी टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 15 के दुर्गा चौक क्षेत्र एवं पटेल मोहल्ला में महिला समूहों के साथ जनसंवाद एवं बैठक आयोजित की गई। वहीं वार्ड क्रमांक 09, गांधीगंज स्थित बालक छात्रावास के पास सफाई मित्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सुरक्षित एवं बेहतर स्वच्छता कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया गया।

महिला समूहों को फोर-बिन व्यवस्था की दी जानकारी- आचार्य विनोबा भावे वार्ड में आयोजित जनसंवाद के दौरान सरस्वती कल्याण समिति समूह एवं शीला स्व-सहायता समूह की सदस्यों के साथ स्वच्छता गतिविधियों की समीक्षा करते हुए



फोर-बिन कचरा पृथक्करण व्यवस्था की विस्तार से जानकारी दी गई। महिला समूहों को गीले एवं सूखे कचरे को निर्धारित श्रेणियों के अनुसार अलग-अलग रखने तथा कचरे को निगम के निर्धारित कचरा वाहन में ही डालने के लिए प्रेरित किया गया। IEC टीम ने स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महिला समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनसे अपने आसपास के नागरिकों को भी कचरा पृथक्करण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की। बैठक में स्वच्छता गतिविधियों में निरंतर सहयोग बनाए रखने तथा स्वच्छ एवं सुंदर शहर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

सफाई मित्रों को सुरक्षित कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण- इसी क्रम में महात्मा गांधी वार्ड में आयोजित

सफाई मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण एवं सुरक्षित स्वच्छता कार्यों से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान सफाई मित्रों को कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा मास्क, ग्लव्स एवं सेफ्टी शूज जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का नियमित एवं सही उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। सफाई मित्रों को स्वच्छता कार्य के दौरान स्वयं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। निगम की IEC टीम ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों के साथ-साथ स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जनभागीदारी, महिला समूहों की सक्रिय भूमिका तथा सफाई मित्रों की सुरक्षित कार्यप्रणाली पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों, महिला समूहों एवं सफाई मित्रों के सामूहिक सहयोग से स्वच्छता को जन-अभियान का स्वरूप देते हुए शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना है।

जब स्कूल नहीं पहुंची बेटियां, तो शिक्षक पहुंच गए जंगल की पगडंडी तक

नवल किशोर

फीस और ड्रेस बनी पढ़ाई की राह में बाधा, प्राचार्य ने कहा— “तुम बस स्कूल आओ, बाकी हम देख लेंगे” नैगवा के शिक्षकों की संवेदनशील पहल से फिर शिक्षा की राह पर लौटेंगी अंकिता और सरिता

कटनी। सुबह स्कूल की घंटी बजी। बच्चे कक्षाओं में पहुंचे, किताबें खुलीं और पढ़ाई शुरू हुई। लेकिन कक्षा 10वीं की दो बेटियां अंकिता और सरिता की कुर्सियां खाली थीं। यह खाली कुर्सियां नैगवा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को खटकने लगीं। सवाल सिर्फ इतना नहीं था कि दोनों छात्राएं स्कूल क्यों नहीं आ रही हैं, सवाल यह था कि कहीं कोई मजबूरी तो उन्हें शिक्षा से दूर नहीं कर रही?

शिक्षकों ने बच्चों को ढूंढने के लिए करीब तीन किलोमीटर की राह पकड़ ली प्राचार्य विपिन तिवारी, अतिथि शिक्षक और स्टाफ के साथ खुसरा महादेव पहुंच गए। वहां दोनों छात्राएं मिलीं। बातचीत हुई तो पता चला कि स्कूल से दूरी उनकी पसंद नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी थी। एक के पास फीस नहीं, दूसरी



के पास ड्रेस नहीं- सरिता ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि उसके पास स्कूल की फीस भरने के पैसे नहीं हैं। आर्थिक तंगी के कारण वह स्कूल आने से बच रही थी।

प्राचार्य ने उसे भरोसा दिया— “तुम बस स्कूल आओ, फीस की चिंता मत करो। तुम्हारी समस्या दूर करने की व्यवस्था हम करेंगे।” इन शब्दों में सिर्फ आश्वासन नहीं था, बल्कि उस बच्ची के लिए यह भरोसा था कि उसकी पढ़ाई उसकी आर्थिक स्थिति से बड़ी है। सरिता ने हामी भर दी।

प्राचार्य ने उससे कहा- “ड्रेस की चिंता मत करो। तुम विद्यालय आओ, ड्रेस की व्यवस्था विद्यालय की ओर से की जाएगी।” अंकिता के चेहरे पर भी भरोसा लौटा और उसने स्कूल आने की सहमति दे दी। नैगवा विद्यालय के प्राचार्य विपिन तिवारी कहते हैं कि किसी बच्चे की पढ़ाई केवल फीस या ड्रेस जैसी जरूरत के कारण रुकनी नहीं चाहिए।

स्वदेशी रक्षा उत्पादन से मजबूत होगी भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्रालय की ओर से देश में निर्मित किए जाने वाले रक्षा उपकरणों की नई सूची जारी किए जाने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला है कि आने वाले समय में भारत अपनी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेशी देशों पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है।

नई सूची में 400 से अधिक रक्षा सामग्री को शामिल किया गया है, जिनका निर्माण अब देश में ही किया जाएगा। यह स्वदेशीकरण से जुड़ी छठी सूची है और इसमें कई महत्वपूर्ण तथा आधुनिक सैन्य उपकरण शामिल किए गए हैं। रक्षा सामग्री के स्वदेशी उत्पादन की इस पहल का सबसे बड़ा महत्व यह है कि भारत अब केवल पारंपरिक हथियारों और सैन्य उपकरणों के निर्माण तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि आधुनिक युद्ध की जरूरतों के

अनुरूप अत्याधुनिक तकनीक वाली रक्षा सामग्री तैयार करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। नई सूची में उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, हल्के लड़ाकू विमान और उच्च विस्फोटक टैंक-रोधी गोला-बारूद जैसी सामग्री शामिल है। इससे यह संकेत मिलता है कि देश में रक्षा उत्पादन की क्षमता लगातार बढ़ रही है और भारतीय कंपनियां जटिल सैन्य जरूरतों के अनुरूप उपकरण तैयार करने में सक्षम हो रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों में रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की प्रक्रिया को काफी गति मिली है। पिछले पांच वर्षों के दौरान 15 हजार से अधिक रक्षा सामग्री का स्वदेशीकरण किया गया है। अनुमान है कि इससे करीब 9 हजार करोड़ रुपये के आयात का स्थान देश में निर्मित सामग्री ले सकेगा। इसका सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा। विदेशों से रक्षा सामग्री खरीदने में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यदि

वही सामग्री देश में तैयार होती है तो विदेशी मुद्रा की बचत के साथ-साथ देश के भीतर रोजगार, तकनीक और औद्योगिक क्षमता को भी बढ़ावा मिलता है। भारत जैसे बड़े देश के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी है। देश की सुरक्षा से जुड़े उपकरणों और हथियारों के लिए लंबे समय तक दूसरे देशों पर निर्भर रहना किसी भी स्थिति में उचित नहीं माना जा सकता। युद्ध या अंतरराष्ट्रीय तनाव की स्थिति में दूसरे देशों से रक्षा सामग्री की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। ऐसे में देश के पास अपनी जरूरत के आधुनिक हथियार और सैन्य उपकरण बनाने की क्षमता होना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन भारत को इसी दिशा में मजबूत आधार प्रदान कर रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का एक और महत्वपूर्ण पहलू रक्षा निर्यात है। भारत पिछले एक दशक से

अधिक समय में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ा है। भारतीय रक्षा उपकरणों की मांग दुनिया के कई देशों में बढ़ी है और अब करीब सौ देशों तक भारतीय सैन्य सामग्री पहुंच रही है। यह बदलाव भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता और रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत होती स्थिति को दर्शाता है। यदि देश में आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण रक्षा उपकरणों का उत्पादन लगातार बढ़ता है तो आने वाले वर्षों में भारत विश्व के प्रमुख रक्षा निर्यातक देशों की कतार में और मजबूत स्थान बना सकता है।

भारत को रक्षा सामग्री के मामले में केवल एक बड़ा खरीदार बनकर नहीं रहना चाहिए। लंबे समय तक भारत ने अपनी सैन्य जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से पूरा किया है। इसके कारण देश को बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती थी। इसके अलावा अत्याधुनिक सैन्य तकनीक हासिल करने के दौरान कई बार दूसरे देशों

की शर्तों और प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ता है। कई देशों से तकनीक हस्तांतरण की सुविधा मिलने के बावजूद हर बार वह तकनीक उस स्तर की नहीं होती, जिसकी भारत को आवश्यकता होती है। ऐसे में अपनी तकनीकी क्षमता विकसित करना और खुद अत्याधुनिक रक्षा उपकरण तैयार करना बेहद जरूरी है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का मतलब केवल हथियारों का निर्माण करना नहीं है।

इसके साथ अनुसंधान, विकास, तकनीकी प्रशिक्षण, आधुनिक मशीनरी, कुशल मानव संसाधन और मजबूत औद्योगिक ढांचे का विकास भी जरूरी है। भारत यदि रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनना चाहता है तो उसे इन सभी क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ना होगा। इसके लिए सरकारी संस्थानों के साथ निजी क्षेत्र, स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में गीतारामेश्वरम् ट्रस्ट की सराहनीय पहल साईं मंदिर परिसर एवं सड़क किनारे किया गया सघन वृक्षारोपण, फलदार और छायादार पौधों का किया रोपण

इंदौर। पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री गीतारामेश्वरम् ट्रस्ट के तत्वावधान में बिचोली मर्दाना स्थित साईं मंदिर परिसर एवं सड़क के दोनों ओर विशेष वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, पूर्व सैनिकों एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, महावीर चक्र से सम्मानित कैप्टन दिगेन्द्र कुमार, कैप्टन सुरेन्द्र सिंह तथा समाजसेवी मदन परमालिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान ऐसे पौधों को प्राथमिकता दी गई, जो भविष्य में फल देने के साथ-साथ घनी छाया प्रदान करें। फलदार एवं छायादार वृक्षों के रोपण से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में हरियाली बढ़ने के साथ राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों को भी इसका लाभ मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी-इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि लगातार



बढ़ते शहरीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन के दौर में वृक्षारोपण का महत्व और भी बढ़ गया है। पेड़-पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि तापमान को नियंत्रित करने, वर्षा चक्र को संतुलित रखने, भूजल संरक्षण तथा पक्षियों एवं जीव-जंतुओं के लिए प्राकृतिक आश्रय उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनने तक उसकी जिम्मेदारी निभाए। सामूहिक सहभागिता से ही शहर और समाज को अधिक हरा-भरा एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश-श्री गीतारामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा

आयोजित इस वृक्षारोपण अभियान को सामाजिक सरोकार और पर्यावरण सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों ने भी ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण को अपने सेवा कार्यों से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायी है। बिचोली मर्दाना क्षेत्र में लगाए गए फलदार एवं घनी छाया देने वाले वृक्ष आने वाले वर्षों में न केवल क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाएंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की इस पहल को स्थायी रूप भी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली, छाया, फल और स्वच्छ हवा की अमूल्य सौगात बन सकता है।

एंटी करप्शन एंड सोशल डेवलपमेंट काउंसिल में संतोष तोमर राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

एंटी करप्शन एंड सोशल डेवलपमेंट काउंसिल की महिला विंग में संतोष तोमर को राष्ट्रीय सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। संगठन के सदस्यों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व और अनुभव से महिला विंग को नई दिशा मिलेगी तथा संगठन की गतिविधियों को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि संतोष तोमर समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। उनकी नियुक्ति से संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने और सामाजिक



सरोकारों से जुड़े अभियानों को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। सभी सदस्यों ने उन्हें संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें
सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888



600वें टेस्ट में भारत ने दर्ज की जीत, श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए; देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों को दी उड़ान

गॉल (एजेंसी)। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली।

सुथार को एक ओवर में 3 विकेट

मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

● पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए - भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की। केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए।



दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए

भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। पंत के अलावा केएल राहुल ने 35 और पडिक्कल ने 44 रन बनाए।

श्रीलंका की पहली पारी में दिनुषा का शतक

श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनुषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेल्ला ने 80 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका।

मानव सुथार को दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट

मानव सुथार ने पहली बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने श्रीलंका की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। वे विदेश में भारत के लिए एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले सातवें स्पिनर बने। सुथार की उम्र 24 साल 16 दिन थी। वे 28 साल की उम्र से पहले विदेशी टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल

ऑस्ट्रेलिया- पीसीटी - 77.78	भारत-पीसीटी - 53.33
साउथ अफ्रीका- पीसीटी - 75.00	श्रीलंका-पीसीटी - 33.33
न्यूजीलैंड- पीसीटी - 72.22	इंग्लैंड-पीसीटी - 24.36
बांग्लादेश-पीसीटी - 66.67	पाकिस्तान-पीसीटी - 22.22



हैरी ब्रुक नंबर-1 टेस्ट बैटर बने हेड चौथे पर फिसले

बुमराह 21 महीने से लगातार नंबर-1 बॉलर, गिल वनडे के टॉप बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने 19 अगस्त को मेंस वीकली रैंकिंग जारी कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन टेस्ट में बांग्लादेश की ऐतिहासिक 9 विकेट की जीत का असर रैंकिंग में देखने को मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रुक टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में फिर नंबर-1 बन गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड खिसककर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में लगातार 21 महीने से नंबर-1 बने हुए हैं। बुमराह ने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल किया था और तब से इसे बरकरार रखा है। उनके खाते में 870 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, वनडे बैटर्स की रैंकिंग में शुभमन गिल टॉप पर बने हुए हैं।

हेड को खराब प्रदर्शन का नुकसान

डार्विन टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड केवल 22 और 17 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन के कारण हेड पहले से चौथे स्थान पर आ गए हैं। उनके स्थान गंवाने का फायदा इंग्लैंड के हैरी ब्रुक को मिला, जिन्होंने टॉप पर वापसी कर ली है। ब्रुक के बाद इंग्लैंड के जो रूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टॉप 4 बल्लेबाजों के बीच केवल 33 रेटिंग पॉइंट्स का अंतर है।

गेंदबाजी में बुमराह नंबर-1 पर बरकरार

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का दबदबा कायम है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में नहीं खेलने के बावजूद बुमराह टॉप पर बने हुए हैं। दूसरी ओर डार्विन टेस्ट में 9 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने बांग्लादेश के हसन महमूद 26 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले मेहदी हसन मिराज 3 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं।

जडेजा 2022 से टेस्ट के टॉप ऑलराउंडर

रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 344 पॉइंट के साथ दूसरे और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 320 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 270 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं।

खजराना में 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेश उत्सव, सवा लाख मोदक का लगेगा भोग

धार्मिक थीम पर सजेगा मंदिर, सुगम दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप

इंदौर। देशभर में आस्था के प्रमुख केंद्र खजराना गणेश मंदिर में 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेश उत्सव आयोजित होगा। उत्सव के दौरान भगवान श्री गणेश को परंपरा अनुसार सवा लाख मोदक का भोग लगाया जाएगा। मंदिर परिसर को धार्मिक थीम पर विद्युत और पुष्प सज्जा से सजाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए प्रशासन ने तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने अधिकारियों के साथ मंदिर में समीक्षा बैठक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बैठक में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, आईडीए सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने लाखों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

● **सिद्धि विनायक अस्पताल से प्रवेश, कालका माता गेट से निकासी-** भीड़ नियंत्रण के लिए एकांगी मार्ग व्यवस्था लागू होगी। श्रद्धालुओं को सिद्धि विनायक अस्पताल की ओर से गणेशपुरी मार्ग होते हुए प्रवेश दिया जाएगा, जबकि दर्शन के बाद कालका माता मंदिर गेट से निकासी होगी। आवश्यकता के



अनुसार बैरिकेडिंग, झिंग-झोंग कतारें और दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। पुलिस और यातायात विभाग अतिरिक्त बल के साथ सुरक्षा एवं ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे।

● **रोशनी और फूलों से सजेगा मंदिर परिसर-** मंदिर के शिखर, मुख्य मार्ग, पार्किंग और आसपास के क्षेत्र में विशेष विद्युत सज्जा होगी। गर्भगृह, सभा मंडप और मूषक स्थल को फूलों से सजाया जाएगा। स्वागत द्वार और सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे। भगवान गणेश का विशेष स्वर्ण श्रृंगार होगा और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त

इंतजाम किए जाएंगे। प्रतिदिन ध्वजा पूजन और अथर्वशीर्ष पाठ होगा।

● **सवा लाख मोदक, अन्नक्षेत्र और जीरो वेस्ट पर जोर-** सवा लाख मोदक का भोग जनसहयोग से लगाया जाएगा और प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था रहेगी। अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी, पेयजल, अतिरिक्त सफाईकर्मी और डस्टबिन की व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। मंदिर परिसर में जीरो वेस्ट व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

● **धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे-** दस

दिवसीय उत्सव में भजन संध्या, धार्मिक नाट्य मंचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। भगवान गणेश के नगर भ्रमण के लिए विशेष रथ, झांकियां, बैंड और अखाड़े शामिल होंगे। प्रमुख झांकी को तीन दिन मंदिर परिसर में दर्शन के लिए रखा जाएगा। बैठक में 11 से 20 अक्टूबर तक होने वाले नवदुर्गा उत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को समन्वय से काम करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

अलमारी का ताला तोड़कर जेवर चोरी

इंदौर। गांधीनगर थाना क्षेत्र की एलएन सिटी में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। बदमाश घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुए और कमरे में रखी लोहे की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे पुराने सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फरियादी विजेन्द्र सोनकर (32), निवासी एलएन सिटी, गांधी नगर ने पुलिस को बताया कि अज्ञात बदमाश उसके घर में घुसे। बदमाशों ने सबसे पहले घर के मेन गेट का दरवाजा तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। घर में घुसने के बाद बदमाशों ने लोहे की अलमारी को निशाना बनाया। उसका ताला तोड़कर उसमें रखे पुराने इस्तेमाल किए जा रहे सोने-चांदी के आभूषण निकाल लिए और मौके से फरार हो गए। सुबह घटना का पता चलने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही वारदात के तरीके के आधार पर आसपास सक्रिय संदिग्धों की जानकारी जुटाई जा रही है।

बाइक ने दो युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

इंदौर। एरोडम थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही बाइक ने दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल है और अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हादसा 16 अगस्त की रात करीब 10.50 बजे हुआ। बाइक का चालक वाहन तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। इसी दौरान उसने विवेक मिश्रा (30) और हवन मोहरे (30) को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। विवेक को गंभीर चोटें आने पर बाढ़िया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। वहीं हवन मोहरे का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पश्चिम मप्र में 83,500 छतों पर चमका सोलर, 470 करोड़ की सब्सिडी वितरित

इंदौर। पश्चिम मध्य प्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की संख्या 83,500 के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों में सबसे अधिक है। इन संयंत्रों की कुल क्षमता 525 मेगावाट से ज्यादा हो चुकी है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं को बधाई देते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उपभोक्ताओं को 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी मिल रही है, जिससे लोगों में सोलर संयंत्र लगाने का उत्साह बढ़ा है। योजना के तहत पश्चिम क्षेत्र में करीब 67 हजार स्थानों पर सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि करीब 60 हजार उपभोक्ताओं को डीबीटी के माध्यम से 470 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। इंदौर शहर 33 हजार से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्रों के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में पितृ पर्वत पर हुआ हनुमान चालीसा का पाठ, सवा लाख पाठ का हो रहा आयोजन

इंदौर। बुधवार दिनांक 19 अगस्त को पितृ पर्वत स्थित पितरेश्वर हनुमान धाम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हनुमान जी रुद्र अवतार हैं, इसलिए महादेव के प्रिय श्रावण मास के अवसर पर हनुमान जी की आराधना करो या भोलेनाथ की उपासना करो एक ही बात है। गौरतलब है पितृ पर्वत स्थित पितरेश्वर हनुमान धाम में शिव प्रिय श्रावण मास के अवसर पर सवा लाख हनुमान चालीसा के पाठ किए जा रहे हैं। सवा लाख हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन 29 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है और 28 अगस्त को इसका समापन होगा। अभी तक 60000 हजार से ज्यादा हनुमान चालीसा का पाठ हो चुका है। हनुमान चालीसा के पाठ के अवसर पर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, भाजपा नेता चिंटू वर्मा, नितिन मालू, मुन्ना साहू, सुनिता जयपाल, छन्नू दुबे, महेश दलौदा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

गांधी हॉल में एनआरआई महिला से छेड़छाड़, चौकीदार को गिरफ्तार कर भेजा जेल

इंदौर। एमजी रोड थाना क्षेत्र स्थित गांधी हॉल परिसर में दिल्ली से घूमने आई एक जर्मनी निवासी एनआरआई महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला अपने साथी के साथ इंदौर घूमने आई थी। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी चौकीदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दरअसल इंदौर के एमजी रोड थाना पुलिस के मुताबिक वह एनआरआई महिला, जो वर्तमान में दिल्ली में रहती है और मूल रूप से जर्मनी की निवासी है, एक दिन पहले अपने साथी के साथ इंदौर भ्रमण पर आई थी। दोनों गांधी हॉल परिसर में घूम रहे थे, तभी वहां तैनात चौकीदार दीपक, निवासी सीहोर ने महिला पर अशोभनीय टिप्पणियां कीं और उसके साथ छेड़छाड़ करने की नियत से अश्लील इशारे भी किये। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक तौर पर महिला इस मामले में शिकायत दर्ज कराने के पक्ष में नहीं थी, लेकिन पुलिस ने उसे कानूनी कार्रवाई के लिए समझाया। इसके बाद महिला ने आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर एमजी रोड थाना पुलिस ने आरोपी दीपक के विरुद्ध छेड़छाड़ सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया। मंगलवार शाम आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि महिला पर्यटकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एमडी ड्रास तस्करी मामले में फरार आरोपी जुनैद उर्फ जुनु गिरफ्तार

बालाघाट में 19 बच्चों की मौत का दावा, सरकारी आंकड़ा सिर्फ 8 पर क्यों?

ही बच्चों की मौतों की खबर ने मध्य प्रदेश की सरकारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि पिछले दो महीनों में मछुरदा, कोरका, मातला, कोंडेकसा, अडोरी और बोंदारी जैसे गांवों में 19 बच्चों की मौत हो चुकी है। वहीं प्रशासनिक आंकड़ा इन मौतों की संख्या 8 बता रहा है। यही अंतर अब सबसे बड़ा सवाल

बन गया है—आखिर सच कितनी मौतों का है? स्थानीय आदिवासी परिवारों का आरोप है कि इन इलाकों में करीब छह महीने से पोषण आहार का नियमित वितरण नहीं हुआ। यदि यह आरोप सही है तो मामला केवल कुपोषण का नहीं, बल्कि बच्चों तक जरूरी पोषण पहुंचाने वाली सरकारी व्यवस्था की गंभीर विफलता का भी है। इन गांवों की स्थिति

इसलिए और चुनौतीपूर्ण है क्योंकि क्षेत्र लंबे समय से पिछड़ेपन और नक्सल प्रभाव जैसी समस्याओं से जूझता रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच, समय पर उपचार, पोषण और जागरूकता की कमी बच्चों के लिए खतरा बढ़ा सकती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि ग्रामीण 19 बच्चों की मौत की बात कह रहे हैं और सरकारी

रिकॉर्ड में केवल 8 मौतें दर्ज हैं, तो बाकी मामलों की जांच किस स्तर पर हुई?

क्या प्रत्येक मौत का चिकित्सकीय परीक्षण और दस्तावेजी सत्यापन हुआ? क्या मृत बच्चों के परिवारों से प्रशासन ने संपर्क किया? विपक्ष ने इन मौतों को लेकर मोहन यादव सरकार और संबंधित विभागों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।